# भारत के प्राचीन नगरों का पतन

रामशरण शर्मा

Scanned by TapScanner

# विषय-सूची


चित्रांकनों की सूची 7-8
अनुप्रस्थ काटों में प्रयुक्त संकेत 9
प्राक्कथन 11-12
आभारोक्ति 13
संक्षिप्तावली 14

अध्याय 1 **ऐतिहासिक पुरातत्त्व और शहरी इतिहास की समस्याएं** 15-24

विदेशी प्रभाव तथा कलात्मक वस्तुओं की खोज; ऐतिहासिक पुरातत्त्व को कम महत्त्व देना; शहरी स्थलों के पुरातत्त्व की परिसीमाएं; शहरों की शिनाख्त; शहरी पतन की समस्याएं

अध्याय 2 **उत्तर में शहरी विकास और पतन** 25-47

कुषाण चरण और नगरीकरण; तक्षशिला का मामला; जम्मू और कश्मीर; पंजाब; हरियाणा; पश्चिमी उत्तरप्रदेश

अध्याय 3 **शहरी विकास और पतन : मध्य-गांगेय मैदान और पूर्वी क्षेत्र** 48-85

पूर्वी उत्तरप्रदेश; उत्तरी बिहार; दक्षिणी बिहार; उड़ीसा; पश्चिमी बंगाल; असम

अध्याय 4 **शहरी विकास और पतन : मध्य और पश्चिमी क्षेत्र** 86-115

राजस्थान; मध्यप्रदेश; गुजरात; महाराष्ट्र

अध्याय 5 **दक्षिण भारत में शहरी विकास और पतन** 116-45

कर्नाटक; आंध्रप्रदेश; तमिलनाडु

अध्याय 6 **नगरों के ह्रास के साहित्यिक और अभिलेखीय साक्ष्य** 146-61

बंगाल में व्यापार और नगरीकरण के पतन से संबंधित अभिलेखीय साक्ष्य; 'बृहत्संहिता' की सामग्री; काव्य और जैन स्रोत; स्थापत्य संबंधी ग्रंथ; ह्वेन सांग और अल-बैरूनी




Scanned by TapScanner

अध्याय 7 आरंभिक मध्यकाल में मठप्रधान बस्तियों का स्वरूप 162-72

शहरी तत्त्वों का ह्रास; धातु मुद्रा का अभाव; शिल्प और वाणिज्य संबंधी मोहरों की अनुपस्थिति; शिल्प के उपकरण और कार्य का ह्रास; व्यापार का पतन; नगरों के पतन के चिह्न

अध्याय 8 शहरी पतन की व्याख्या 173-84

साम्राज्यों का पतन और विदेशी आक्रमण; दूरवर्ती व्यापार का लोप; कलियुग की सामाजिक अव्यवस्था; भूमि-अनुदानों का नगरों पर प्रभाव

अध्याय 9 शहरी पतन के परिणाम 185-212

ऐतिहासिक काल के शहरों की उत्पादन में भूमिका; शहरी राजस्व में कमी और सेना की प्रकृति में परिवर्तन; सौदागरों की दुर्दशा; शिल्पियों पर प्रभाव; शहर और देहात में विभेद का लोप; परजीवी गैर-कृषक बस्तियां; ब्राह्मणों का स्थानांतरण; भूमि पर मंदिरों और मठों की निर्भरता; नए सामाजिक और आर्थिक संबंध

अध्याय 10 कृषि का प्रसार 213-23

पूर्वी, मध्य तथा दक्षिणी भारत में राज्यों का उदय; भूमि-अनुदान और ग्रामीण विस्तार; गांवों की स्थापना; कृषि के ज्ञान और तकनीक में प्रगति; देहाती इलाके में विभेदीकरण; शहरी संकुचन तथा कृषि का विस्तार

उपसंहार 224-31

परिशिष्ट 1 गुजरात/मालवा/कर्नाटक के शहर जहां से ब्राह्मण लोग भूमि-अनुदानों के उपभोग के लिए गुजरात में जाकर बस गए 232–39

परिशिष्ट 2 आरेख पर टिप्पणी 240–46

परिशिष्ट 3 मानचित्रों पर टिप्पणी 247

परिशिष्ट 4 उत्तर में शहरी विकास और पतन 248
शहरी विकास और पतन : मध्य गांगेय मैदान और पूर्वी क्षेत्र 249–52

**Bibliography** 253–64

अनुक्रमणिका 265–98



Scanned by TapScanner